संदर्भ ग्रंथ सूची

परिशिष्ट -

परिशिष्ट

संदर्भ ग्रंथ सूची

आधार ग्रंथ

नागार्जुन के उपन्यास -

अ.नं.	उपन्यासका नाम		रचनाकाल	प्रकाशन	प्रयुक्त संस्करण
१]	रतिनाथ की चाची	-	१९४८	वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली-२	[वाणी]प्रथम संस्करण-१९८५.
२]	बलचनमा	-	१९५२	किताब महल, इलाहाबाद-३	नवाँ संस्करण-१९८७.
३]	नयी पौध	-	१९५३	राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली-२	संस्करण - १९८४
४]	बाबा बटेसरनाथ	-	१९५४	——"——	चतुर्थ संस्करण-१९८४
५]	वरुण के बेटे	-	१९५७	वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली-२.	[वाणी] प्रथम संस्करण - १९८४
६]	दुखमोचन	-	१९५७	राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली-२	[वाणी] प्रथम-संस्करण - १९८७
७]	कुम्भीपाक	-	१९६०	वाणी प्रकाशन, दिल्ली-२.	[वाणी] प्रथम-संस्करण - १९८५
८]	उग्रतारा	-	१९६३	राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली-२	[पेपर बॅक] प्रथम-संस्करण - १९८७.
९]	पारो	-	१९७५	यात्री प्रकाशन, नयी दिल्ली-९४	संस्कारण- १९८७.

- सहायक ग्रंथ -

१.	आज के लोकप्रिय हिंदी कवि नागार्जुन	- संपादक प्रभाकर माचवे	- राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली-६.
२.	उपन्यासकार नागार्जुन	- बाबूराम गुप्त	- श्याम प्रकाशन, जयपुर-३ प्र. सं.-१९८५
३.	नागार्जुन का रचना संसार	- विजय बहादुर सिंह	- संभावना प्रकाशन, हापुड-१, प्र. सं.-१९८२
४.	नागार्जुन के नारी पात्र	- प्रा. अर्जुन घरत	- शब्द शक्ति प्रकाशन, कानपुर-११, प्र. सं. १९८९
५.	बाबा नागार्जुन	- संपादक नरेंद्र कोहली	- वाणी प्रकाशन, दिल्ली-२ प्र. सं. - १९८५.

- संदर्भ ग्रंथ -

१.	आधुनिक हिंदी उपन्यासों में राजनीतिक एवं आर्थिक चेतना.	- डॉ. पिताम्बर सरोदे	- अतुल प्रकाशन, कानपुर - १२ प्रथम संस्करण- १९८७.
२.	महासमरोत्तर हिंदी उपन्यासों में जीवन दर्शन	- डॉ. कलावती प्रकाश	- श्याम प्रकाशन, जयपुर-३, प्र. सं.-१९८७.
३.	महिला उपन्यासकारों की रचनाओं में बदलते सामाजिक संदर्भ.	- डॉ. शील प्रभा वर्मा	- विद्या विहार प्रकाशन, कानपुर-१२, प्रथम संस्करण-१९८७.
४.	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास साहित्य में जीवन दर्शन.	- डॉ. सुमित्रा त्यागी	- साहित्य प्रकाशन, दिल्ली-६ प्र. सं.-१९७८.

५. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास का शिल्प विकास – डॉ. राधेश्याम कौशिक – मंगल प्रकाशन, जयपुर-१, प्र. सं.-१९७६.

६. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक समस्या और समाधान – डॉ. दिनेशचंद्र वर्मा – अनुभव प्रकाशन, कानपुर-१ प्रथम संस्करण-१९८७.

७. हिंदी उपन्यास: परम्परा और प्रयोग [१९३७-७३] – डॉ. सुभद्रा सक्सेना – अलंकार प्रकाशन, दिल्ली-५१, प्र. सं.-१९७४.

८. हिंदी उपन्यास: सातवाँ दशक – डॉ.सौ. जयश्री बरहाटे – संचयन प्रकाशन कानपुर-६, प्र. सं.-१९८८.

९. हिंदी उपन्यासों में आँचलिकता की प्रवृत्ति. – डॉ. ह. के. कडवे – अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर-१२, प्र. सं.-१९८७.

१०. हिंदी के आँचलिक उपन्यास – संपा. डॉ. रामदरश मिश्र, डॉ. ज्ञानचंद गुप्त – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली-२. प्र. सं.-१९७४.

११. हिंदी उपन्यासो में ग्राम समस्याएँ. – डॉ. ज्ञान अस्थाना – जवाहर पुस्तकालय, मथुरा-२, प्र. सं.-१९७९.

१२. हिंदी उपन्यासों में सामन्तवाद – डॉ. कमल गुप्ता – अभिनव प्रकाशन, नयी दिल्ली-२, प्र. सं. -१९७९.

१३. हिंदी के आँचलिक उपन्यासों का लोकतात्त्विक विमर्श. – डॉ. उषा डोगरा – अनुभव प्रकाशन, कानपुर-१, प्र. सं.-१९८४.

१४. हिंदी के आँचलिक उपन्यास- सामाजिक एवं सांस्कृतिक संदर्भ. – डॉ. विमल शंकर नागर. – जवाहर पुस्तकालय, मथुरा-२, प्र. सं.-१९८३.

१५. हिंदी में समस्या साहित्य – डॉ. विमल भास्कर– जवाहर पुस्तकालय, मथुरा–२, प्र. सं.–१९८३.

१६. हिंदु विवाह मिमांसा – डॉ. प्रीति प्रभा गोयल– राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर– संस्करण–१९८०.

१७. हिंदी उपन्यास: समाज और व्यक्ति का द्वंद्व – डॉ. मंजुला गुप्ता – सुर्य प्रकाशन, दिल्ली–६ प्र. सं.–१९८६.

१८. हिंदी के बहुचर्चित उपन्यास और उपन्यासकार – डॉ. अमर जायसवाल – विद्या विहार प्रकाशन, कानपुर–१२ प्र. सं.–१९८४.

१९. नवीन शोध विज्ञान – डॉ. तिलकसिंह – प्रकाशन संस्थान, दिल्ली–३२ प्र. सं.–१९८२.

२०. शोध प्रविधि और प्रक्रिया – डॉ. चंद्रभान रावत, डॉ. राजकुमार – खण्डेलवाल. – जवाहर पुस्तकालय, मथुरा–प्र. सं.–१९७९

२१. हिंदी अनुसंधान का स्वरूप – संपा. भ. ह. राजूरकर, राजमल बोरा – नेशनल पब्लिशिंग हाउस नयी दिल्ली–२ प्रथम संस्करण–१९७८.

२२. हिंदी संशोधन की रूपरेखा – डॉ. मनमोहन – सहगल – पंचशील प्रकाशन, जयपुर–३, सं.–१९७९.

– प त्रि का –

१. आलोचना – त्रैमासिक नागार्जुन विशेषांक अंक – ५६, ५७ – संपादक नामवर सिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली–२, अंक– जनवरी–मार्च/अप्रैल– जून – १९८१.